भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3363

08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष को वैश्विक परिपाटियों के अनुरूप बनाना

3363. डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा विशेषकर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के माध्यम से आयुष क्षेत्र में मानकीकरण के प्रयासों को बढ़ाने के लिए क्या पहल की गई है;

(ख) भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा विशेषकर आयुष प्रणालियों के लिए कुल कितने मानक विकसित किए गए हैं और ये मानक किन-किन क्षेत्रों पर लागू होते हैं;

(ग) क्या सरकार की भारतीय आयुष मानकों को वैश्विक परिपाटियों के अनुरूप बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ सहयोग करने की योजना है और यदि हां, तो ऐसे सहयोगों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इन नए मानकों के अनुपालन में आयुष उत्पादों की सुरक्षा और प्रभावकारिता सुनिश्चित करने की सरकार की कोई योजना है; और

(ङ) इन मानकीकरण प्रयासों से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर आयुष क्षेत्र के विकास और विश्वसनीयता पर किस प्रकार प्रभाव पड़ने की संभावना है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): आयुष मंत्रालय ने एएसयू एंड एच औषधियों के लिए फार्माकोपिया मानकों को निर्धारित करने के लिए अपने अधीनस्थ कार्यालय के रूप में भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी के लिए फार्माकोपिया आयोग (पीसीआईएमएंडएच) की स्थापना की है, जो औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और नियम, 1945 के अनुसार आधिकारिक संग्रह के रूप में कार्य करता है।

इसके अलावा, एमओए ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के साथ सहयोग किया है और उत्पादों और सेवाओं के पारंपरिक और आधुनिक पहलुओं सहित भारतीय मानकों के निर्माण हेतु बीआईएस की आयुष प्रभाग परिषद के अंतर्गत प्रत्येक आयुष पद्धति (आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी) के लिए सात अनुभागीय समितियों का गठन किया है। ये समितियाँ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुरूप व्यापक, साक्ष्य-आधारित मानकों को सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों, अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग प्रतिनिधियों और नियामक निकायों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर काम करती हैं। बीआईएस ने कच्चे माल, विनिर्माण प्रक्रियाओं, पैकेजिंग और तैयार उत्पादों को कवर करते हुए भारतीय मानकों की एक श्रृंखला तैयार की है।

अब तक, आयुष प्रभाग परिषद के अंतर्गत सात अनुभागीय समितियों द्वारा उत्पादों और सेवाओं के पारंपरिक और आधुनिक पहलुओं सहित आयुष पद्धतियों से संबंधित 180 भारतीय मानक विकसित

किए जा चुके हैं। आयुष पद्धतियों पर तैयार किए गए मानक बीआईएस की वेबसाइट www.bis.gov.in पर उपलब्ध हैं।

(ग) से (ङ): भारत सरकार के सहयोग से, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने आयुर्वेद और यूनानी के प्रशिक्षण और अभ्यास के लिए बेंचमार्क दस्तावेज प्रकाशित किए हैं और आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध में मानकीकृत डब्ल्यूएचओ शब्दावली भी जारी की है। इसके अलावा, आयुष मंत्रालय ने दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक अंतर्राष्ट्रीय हर्बल फार्माकोपिया के विकास का समर्थन करने के लिए डब्ल्यूएचओ के साथ एक परियोजना सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय आयुर्वेदिक, सिद्ध और यूनानी (एएसयू) दवाओं के लिए डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देशों के अनुसार फार्मास्युटिकल उत्पाद (सीओपीपी) के प्रमाणन को बढ़ावा देता है। पारंपरिक चिकित्सा में गुणवत्ता आश्वासन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के अनुरूप, आयुष मंत्रालय के तहत भारतीय चिकित्सा और होम्योपैथी के लिए फार्माकोपिया आयोग (पीसीआईएमएंडएच) ने इंडोनेशिया गणराज्य के खाद्य एवं औषधि प्राधिकरण के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

इन पहलों का उद्देश्य आयुष उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को बढ़ाना है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप वैश्विक बाजारों में आयुष उत्पादों के प्रति उपभोक्ता विश्वास और स्वीकृति में सुधार हो सके।

*****